भारतीय जनता पार्टी

झारखंड प्रदेश

कार्यालय : डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भवन, एम–7, हरमू हाऊसिंग कॉलोनी, राँची–834002 :: दूरभाष : 0651–2246377 / 99

शिवपूजन पाठक
मीडिया प्रभारी
9431586012

दिनांक 16.08.2018

प्रकाशनार्थ

विज्ञप्ति संख्या–1

देश के करोड़ों भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए इससे दुखद खबर नहीं हो सकती कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी नहीं रहे। आज न सिर्फ भारत ने एक अपना सच्चा सपूत खोया है बल्कि पूरे विश्व ने एक राजनेता खोया है। यह बात भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद लक्ष्मण गिलुवा ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के निधन पर अपनी गहरी शोक संवेदना प्रकट करते हुए दिया। श्री गिलुवा ने कहा कि झारखंड की जनता ने आज अपना अभिभावक खोया है, जिनके अथक प्रयास से झारखंड राज्य का गठन हुआ है। अटल जी युगों–युगों तक याद रखे जायेंगे। श्री गिलुवा ने उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

शोक प्रकट करने वालों में हेमलाल मुर्मू, विद्युतवरण महतो, उषा पांडेय, समीर उरांव, सत्येन्द्र तिवारी, आदित्य साहू, प्रिया सिंह, प्रदीप वर्मा, धर्मपाल सिंह, सुनील कुमार सिंह, दीपक प्रकाश, अनंत ओझा, नवीन जयसवाल, मुनेश्वर साहू, मनोज सिंह, नूतन तिवारी, सुबोध सिंह गुड्डू, सरिता श्रीवास्तव, महेश पोद्दार, गणेश मिश्र, जे.बी. तुबीद, राजेश कुमार शुक्ला, दीनदयाल वर्णवाल, प्रवीण प्रभाकर, प्रतुल शाहदेव, हेमंत दास, शिवपूजन पाठक, संजय जयसवाल, राकेश प्रसाद, राकेश भास्कर, रविनाथ किशोर, अमित कुमार, आरती सिंह, ज्योतिरीश्वर सिंह, सोना खान, राम कुमार पाहन, नीरज पासवान, अमरदीप यादव, सतीश सिन्हा, अजय मारु, संजय सेठ, रीजवान खान, प्रदीप सिन्हा, गामा सिंह, आशा लकड़ा, संजीव विजयवर्गीय, प्रेम मित्तल, सांवरमल अग्रवाल, सत्यनारायण सिंह, चन्द्र प्रकाश, डॉ. उमाशंकर केडिया, तारिक इमरान, प्रेम सिंह, रमेश पुष्कर सहित अन्य शामिल हैं।

विज्ञप्ति संख्या–2 (एक संस्मरण : धर्मपाल सिंह, प्रदेश महामंत्री (संगठन)

कोई कार्यकर्ता रूठे नहीं, कोई टूटे नहीं

श्रद्धेय अटल जी का जितना विराट व्यक्तित्व था उतना ही कोमल उनका हृदय। वे न सिर्फ एक राजनेता थे बल्कि साहित्य में उनकी गहरी रूचि रही। उनकी कवितायें समाज जीवन के असंख्य लोगों को प्रेरित करती है।

बात उस समय की है जब मैं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के उत्तराखंड प्रांत का संगठन मंत्री था। परिषद कार्यकर्ता के नाते मेरा दो बार उत्तराखंड में अटल जी से मिलने का अवसर प्राप्त हुआ। कुछ घंटों के सानिध्य में ही मैंने जैसा सुना, उससे कहीं अधिक उन्हें समझा। परिसदन में कार्यकर्ताओं के मिलने के क्रम में उन्होंने सभी को अवसर दिया जो उनके विराट व्यक्तित्व को दर्शाता है। एक कुशल संगठनकर्ता के नाते उन्होंने कार्यकर्ताओं के मन–मस्तिष्क को पढ़ लिया था। उनका एक ही मंत्र मैंने समझा–''कोई रूठे नहीं, कोई टूटे नहीं।''

आज मेरा सौभाग्य है कि मुझे उनके द्वारा गठित दोनों राज्य उत्तराखंड और झारखंड में संगठन कार्य करने का अवसर मिला है। मैं ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति की विनम्र प्रार्थना करता हूं।

विज्ञप्ति संख्या–3

प्रदेश भारतीय जनता पार्टी में शोक की लहर, पार्टी के प्रदेश कार्यालय में झंडा झुका–

श्रद्धेय अटल जी के निधन की खबर आते ही पार्टी कार्याकर्ताओं में शोक की लहर फैल गई। उनके गंभीर स्वास्थ्य की खबर के बाद प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों का दिन भर आना–जाना रहा। लोग टी.वी. पर पल–पल की खबरों पर नजर बनाए रहे तथा उनके स्वास्थ जीवन की मंगलकामना करते रहे। परंतु नियति का खेल निश्चित है। शाम 5.30 बजे जैसे ही वाजपेयी जी के निधन की खबर आई पार्टी कार्यालय में पार्टी का झंडा झुका दिया गया। इधर सुबह से पार्टी के सभी कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए थे।

शिवपूजन पाठक